Nai Dunia (Indore), 18th September 2020, Page-7

आइआइटी के साथ रिसर्च पर काम करना चाहते हैं संस्थान

आइआइटी इंदौर में ऑनलाइन इंटरनेशनल कॉन्क्लेव आयोजित

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। वैज्ञानिकों और शोधकताओं के कारण दुनिया एक साथ जुड़ती रही है। ज्ञान मानवता के लिए बहुत उपयोगी है और इसे सभी के साथ साझा किया जाना चाहिए। मैं इस कॉन्क्लेव के माध्यम से अनुसंधान और नई दिशा में केंद्रित विकास देखना चाहता हूं। हमें दुनियाभर में बढ़ रही प्रतिभाओं की भी पहचान करना है। यह कहना है इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) इंदौर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो. दीपक बी. फाटक का।

संस्थान ने गुरुवार को आइआइटी इंटरनेशनल कॉन्क्लेव आयोजित किया। ऑनलाइन हुए कार्यक्रम में फ्रांस, जर्मनी और रूस जैसे देशों के विशेषज्ञों से बातचीत की। कार्यक्रम की शुरुआत आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक डॉ. निलेश कुमार जैन ने की। पश्चिम भारत के वैज्ञानिक डॉ. ओलिवर फुदिम ने आइआइटी इंदौर और फ्रेंच इंस्टीट्यूट आइएफआइ के बीच सहयोग के बारे में चर्चा की। डॉयचर एकेडेमीशर की निदेशक डॉ. कत्जा लाच ने भी आइआइटी इंदौर के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। टाम्स्क स्टेट यूनिवर्सिटी रूस के रिसर्च के वाइस रेक्टर प्रो. अलेक्जेंडर वोरोजत्सोवा ने भी आइआइटी इंदौर के साथ एकेडमिक्स, रिसर्च और इनोवेशन के लिए मिलकर काम करने की चर्चा की। आइआइटी इंदौर के साथ ही देश के कई आइआइटी कार्यक्रम में जुड़े हुए थे।